1. **संसाधन नियोजन का मुख्य उद्देश्य क्या है?**
   A. संसाधनों का निजीकरण
   B. संसाधनों का निर्यात
   C. संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग
   D. संसाधनों का विनाश (C)

व्याख्या : संसाधन नियोजन का अर्थ है संसाधनों के विवेकपूर्ण और न्यायसंगत उपयोग की रणनीति बनाना।

2. **भारत में संसाधन नियोजन की आवश्यकता क्यों है?**
   A. यहाँ सभी स्थानों पर संसाधन एक समान हैं
   B. यहाँ प्राकृतिक आपदाएँ अधिक होती हैं
   C. यहाँ संसाधनों की उपलब्धता में विविधता और असमानता है
   D. यहाँ तकनीक का विकास नहीं हुआ है (C)

व्याख्या : भारत में कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक संसाधन हैं जबकि कुछ में बहुत कम, इसलिए नियोजन आवश्यक है।

3. **कौन-सा राज्य पवन और सौर ऊर्जा में समृद्ध है लेकिन जल संसाधनों की कमी से जूझता है?**
   A. लद्दाख
   B. झारखंड
   C. अरुणाचल प्रदेश
   D. राजस्थान (D)

व्याख्या : राजस्थान में पवन और सौर ऊर्जा संसाधनों की बहुतायत है, परंतु जल संसाधनों की भारी कमी है।

4. **संसाधन नियोजन की प्रथम चरण की प्रक्रिया क्या है?**
   A. संसाधनों का निर्यात
   B. नीतियाँ बनाना
   C. संसाधनों की पहचान और सूची बनाना
   D. प्रौद्योगिकी का विकास (C)

व्याख्या : नियोजन का पहला चरण संसाधनों की पहचान, सर्वेक्षण, मानचित्रण और मापन है।

5. **'स्माल इज ब्यूटीफुल' पुस्तक में किसके दृष्टिकोण को दोहराया गया है?**
   A. मार्टिन लूथर किंग
   B. महात्मा गांधी
   C. नेल्सन मंडेला
   D. जवाहरलाल नेहरू (B)

व्याख्या : शूमाकर ने इस पुस्तक में गांधी जी के विचारों की पुनरावृत्ति की है कि संसाधन लालच के लिए नहीं, आवश्यकता के लिए होने चाहिए।

6. **1987 में प्रकाशित ब्रंटलैंड रिपोर्ट ने क्या अवधारणा प्रस्तुत की?**
   A. वैश्वीकरण
   B. सतत विकास
   C. निजीकरण
   D. अंधाधुंध शोषण (B)

व्याख्या : ब्रंटलैंड आयोग की रिपोर्ट "हमारा साझा भविष्य" में सतत विकास की अवधारणा प्रस्तुत की गई थी।

7. **'क्लब ऑफ रोम' ने किस वर्ष में संसाधन संरक्षण की वैश्विक वकालत की?**
   A. 1962 B. 1968
   C. 1974 D. 1987 (B)

व्याख्या : क्लब ऑफ रोम ने 1968 में वैश्विक स्तर पर संसाधन संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया।

8. **संसाधनों का अंधाधुंध और अविवेकी उपयोग किस प्रकार की समस्याएं उत्पन्न कर सकता है?**
   A. केवल राजनीतिक
   B. केवल धार्मिक
   C. सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय
   D. केवल आर्थिक (C)

व्याख्या : अविवेकी उपयोग से समाज में असमानता, गरीबी और पर्यावरणीय क्षरण जैसी समस्याएँ उत्पन्न होती हैं।

9. **स्वतंत्रता के बाद भारत ने किन प्रमुख तत्वों को संसाधन विकास के लिए आवश्यक माना?**
   A. केवल प्रौद्योगिकी और मशीन
   B. केवल सरकार और नीति
   C. संसाधनों की उपलब्धता, तकनीक, मानव संसाधन की गुणवत्ता, ऐतिहासिक अनुभव
   D. केवल विदेशों से आयात (C)

व्याख्या : भारत ने विकास में संसाधनों की उपलब्धता के साथ-साथ तकनीक, मानव संसाधन और ऐतिहासिक अनुभव को आवश्यक माना।

10. **निम्न में से कौन-सा राज्य संसाधनों से संपन्न होते हुए भी पिछड़ा हुआ माना जाता है?**
    A. पंजाब B. ओडिशा
    C. हरियाणा D. गुजरात (B)

व्याख्या : ओडिशा और झारखंड जैसे राज्य खनिज संपदा से समृद्ध हैं फिर भी पिछड़े माने जाते हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि केवल संसाधनों की उपलब्धता ही विकास के लिए पर्याप्त नहीं होती।

मिशन ज्ञान जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App